1.	Name of Activity (Title)	Joy of Giving
2.	Type of Activity (FDP/Lecture/Technical/conference etc.)	Social Activity
3.	Name of department/ Section/ cell conducting the activity	Department of Student Welfare
4.	In coordination with (if any)	Nil
5.	Date of conduct	15th Oct. to 18th Oct. 2016
6.	Name of Activity Coordinator (s)	Dr. Sonia
7.	Amount Spent	-------
8.	Funding/ grant from (University/ Industry/ UGC/ AICTE/ DST/ TEQIP/ Outside Society/ agency/others (mention)	-------
9.	Target audience	Students & Staff Members of the University
10.	No. of beneficiaries	More than 100 Peoples.
11.	Name of Outside guests/Speaker	NIL
12.	Also attach two/ three good quality photographs	Enclosed

'जॉय आफ गिविंग' सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों की ओर से जुटाई गई वस्तुओं का निरीक्षण करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। जागरण

भविष्य के इंजीनियर पढ़ रहे समाजसेवा का पाठ

हरेंद्र नागर, फरीदाबाद

जो मेडिकल और इंजीनियरिंग विश्वविद्यालयों में छात्रों का पाठ्यक्रम से ज्यादा और समाज से कम सरोकार होता है वहीं फरीदाबाद स्थित वाइएमसीए विश्वविद्यालय भविष्य के इंजीनियरों को मशीन व कलपुर्जे बनाने के साथ ही भावनात्मक लगाव और सामाजिक सरोकार का पाठ भी पढ़ाया जाता है। इसके लिए हर साल विश्वविद्यालय की ओर से 'जॉय ऑफ गिविंग' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

जॉय ऑफ गिविंग कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों से दैनिक जरूरतों का सामान, कपड़े, किताबें, स्टेशनरी आदि एकत्र करते हैं। इस प्रक्रिया से करीब एक महीने तक सामान एकत्र किया जाता है और इस सामान को वृद्धाश्रम, अनाथालय व स्लम बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों को वितरित किया जाता है। विवि लगातार पांच साल से इस कार्यक्रम को आयोजित करता आ रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत हर साल सितंबर माह में होती है और इसका समापन अक्टूबर में होता है।

टीम बनाकर एकत्र करते हैं सामान : सामान एकत्र करने के लिए छात्रों की टीमें गठित की जाती है। ये टीमें अलग-अलग सेक्टर व कॉलोनियों में जाकर लोगों को उनके अतिरिक्त सामान दान देने के लिए प्रेरित करती है। अब तो लोग भी इस कार्यक्रम के बारे में जान गए हैं ऐसे में

- जॉय ऑफ गिविंग से छात्रों को समाज से जोड़ता विवि
- छात्र सोसायटी से सामन एकत्र कर जरूरतमंदों में बांटते हैं

सितंबर आते ही वे स्वयं सामान विश्वविद्यालय में पहुंचा देते है।

जॉय ऑफ गिविंग की संयोजिका डॉ. सोनिया बंसल कहती है कि करीब एक महीने चलने वाले इस कार्यक्रम में छात्र विश्वविद्यालय से निकलकर सामान एकत्र करने व बांटने के लिए लोगों से मिलते है। जिससे उन्हें अलग-अलग अनुभव होते है जिनके आधार पर वह भविष्य की योजनाएं बनाते है।

वाइएमसीए विवि के कुलपति दिनेश कुमार अग्रवाल बताते है कि इस कार्यक्रम से एक ओर जहां जरूरतमंदों की सेवा होती है वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों में भी समाजसेवा की भावना जागृत होती है। छात्र समाज के जरूरतमंद तबके की समस्याओं और स्थिति से रूबरू होते है। हमारा उद्देश्य ऐसे युवा तैयार करना है जिनमें मशीने तैयार करने के साथ ही समाज के बारे में सोचने वाली मानवीय भावनाएं भी हो।

जरूरतमंद लोगों के लिए जुटाया सामान

वाईएमसीए के विद्यार्थियों द्वारा जरूरमंदों के लिए एकत्रित किया गया सामान।

वाईएमसीए में मनाया गया 'जॉय आफ गिविंग' सप्ताह

फरीदाबाद, 18 अक्तूबर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 'जॉय आफ गिविंग' (दान उत्सव) सप्ताह का आयोजन किया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने एक अभियान चलाकर निर्धन, अनाथ व जरूरतमंद लोगों के लिए हजारों की संख्या में मूलभूत वस्तुएं जुटाई, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा शहर के विभिन्न अनाथालयों, बस्तियों एवं वृद्धाश्रमों में भेंट किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने उत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा जुटाई गई वस्तुओं का निरीक्षण किया।

इन वस्तुओं में घरेलू उपयोग का जरूरी सामान, पुराने एवं नए कपड़े, जूते, बर्तन, किताबें और रोजमर्रा का अन्य सामान शामिल हैं। यह अभियान विद्यार्थियों द्वारा संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण की देखरेख में चलाया गया। कुलपति ने निर्धन एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की तथा संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो. एसके अग्रवाल से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों द्वारा जुटाई गई वस्तुएं उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक सरोकार की गतिविधियों से भी जुड़े रहे। कार्यक्रम की संयोजक डा. सोनिया बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पिछले पांच वर्षों से विश्वविद्यालय में 'जॉय आफगिविंग' का आयोजन किया जा रहा है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 19 October 2016
epaper.punjabkesari.in//c/14051181